CLASS - 4th

Page No.	
Date	

पाठ-1 मैं आज़ादी का दीवाना (व्याख्या)

1) मैं आजादी — — — — किसी से डरता हूँ।

प्रसंग → प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक बोध की कविता मैं आजादी का दीवाना कविता से ली गई है। इस कविता की रचयिता कल्पना शर्मा हैं। इस कविता में आज़ादी के दीवाने बालक के माध्यम से देश के प्रति प्रेम, सम्मान तथा सेवाभाव व्यक्त किया गया है।

व्याख्या - इन पंक्तियों में कवि कहता है कि मैं आज़ादी का दीवाना हूँ। मैं किसी से भी नहीं डरता हूँ और भारतमाता की जय-जय बोलते हुए मैं निरंतर आगे ही बढ़ता जाता हूँ।

2) जब भी बात — — — — शहीद हो जाऊँगा।

व्याख्या- इन पंक्तियों में कवि कहता है कि जब भी शांति की बात होगी तो मैं शांति का संदेश देने वाला बन जाऊँगा और अपने देश की रक्षा के लिए मैं अपने प्राण भी न्योछावर कर दूँगा।